धमनियों और शिराओं की विकृतियाँ (आर्टीरियोवीनस मैलफ़ॉर्मेशन)

धमनियों और शिराओं की विकृतियाँ (आर्टीरियोवीनस मैलफ़ॉर्मेशन) एक दुर्लभ स्थिति है जो रीढ़ की हड्डी में विकसित हो सकती है और इससे शिराओं और धमनियों के बीच का संपर्क बाधित हो जाता है।

प्र: धमनियों और शिराओं की विकृतियाँ (आर्टीरियोवीनस मैलफ़ॉर्मेशन, AVM) क्या हैं?

धमनियों और शिराओं की विकृतियाँ (आर्टीरियोवीनस मैलफ़ॉर्मेशन) रक्त वाहिकाओं का एक असामान्य उलझाव है जिसमें वे वाहिकाएँ धमनी से निकलकर केशिकाओं (कैपिलरी) से जुड़ने की बजाए सीधे शिराओं में चली जाती हैं। मेरु रज्जु के इर्द-गिर्द होने वाले AVM दबाव डालकर रक्त प्रवाह सीमित कर सकते हैं, जिससे रक्तस्राव हो सकता है या मेरु रज्जु को नुकसान हो सकता है।

प्र: यह स्थिति क्यों होती है?

AVM धमनियों और शिराओं के बीच असामान्य संपर्क के कारण होता है, पर इस असामान्यता का कारण अज्ञात है।

प्र: AVM के लक्षण क्या हैं?

मेरु के AVM से ग्रस्त व्यक्तियों को तंत्रिका संबंधी लक्षण महसूस हो सकते हैं जो आते-जाते रहते हैं, जैसे गर्दन, पीठ या कमर में दर्द और जकड़न; जलन वाला दर्द जो बाँहों में या कूल्हों में या नीचे पैरों में फैलता है; बाँहों, हथेलियों, या पैरों में सुन्नता, ऐंठन, या कमज़ोरी; मलत्याग और मूत्रत्याग में कठिनाई; पैर के पंजों में संवेदना की हानि; और हथेलियों का तालमेल बहुत घट जाना।

AVM फट सकते हैं, जिससे अचानक तंत्रिकीय क्षीणता हो सकती है और बहुत तेज़ कमर दर्द हो सकता है। गंभीर सिरदर्द, गर्दन में जकड़न, और चेतना की कमज़ोरी, गर्दन में ऊपरी स्तर पर होने वाले दुर्लभ AVM का संकेत हो सकते हैं।

यदि कोई लक्षण हो तो अपने चिकित्सक से संपर्क करें।

प्र: AVM के होने की पहचान और उसका उपचार कैसे करते हैं?

AVM के होने की पहचान, मैग्नेटिक रेज़ोनेंस इमेजिंग (MRI) से रक्त वाहिकाओं की इमेजिंग द्वारा की जाती है। उपचार, लक्षणों के स्थान और उनकी तीव्रता पर निर्भर करता है। कभी-कभी, बदलावों के आकलन के लिए AVM की निगरानी की जाती है। यदि मेरु रज्जु की कार्यक्षमता जोखिम में हो, तो AVM को सर्जरी से, नॉन-सर्जिकल रेडिएशन थैरेपी से, और/या प्रभावित क्षेत्र की रक्तापूर्ति काटने की कार्यविधि द्वारा निकाल दिया जाता है।

प्र: AVM कितना आम है?

AVM दुर्लभ हैं पर वे पुरुषों और महिलाओं को समान रूप से प्रभावित करते हैं। इसके लक्षण आम तौर पर आयु के तीसरे दशक में विकसित होते हैं, हालाँकि लगभग 20% मामलों की पहचान 16 वर्ष से कम आयु के लोगों में होती है।

स्रोत: मर्क मेनुअल (Merck Manuals), मायो क्लीनिक, जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन, क्लीवलैंड क्लीनिक।

किसी से बात करनी है?

सोमवार से शुक्रवार, सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे (ईटी समयानुसार) तक टोल फ़्री नंबर 1-800-539-7309 पर कॉल करें। या https://link.edgepilot.com/s/b492418f/V5xz-cvHCUG5wv7MCAAFRg?u=https://connect.paralysis.org/hi/send-us-your-question पर कॉल निर्धारित करें अथवा ऑनलाइन प्रश्न पूछें।

इस संदेश में निहित जानकारी आपको पक्षाघात और उसके प्रभावों के बारे में शिक्षित करने व सुविज्ञ बनाने के उद्देश्य से प्रस्तुत की गई है। इस संदेश में निहित किसी भी चीज़ का अर्थ चिकित्सीय निदान या उपचार के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए और न ही वह इसके लिए प्रयोग करने हेतु उद्दिष्ट है। इसका उपयोग आपके चिकित्सक या अन्य किसी योग्य स्वास्थ्य-देखभाल प्रदाता की सलाह के स्थान पर नहीं किया जाना चाहिए। यदि आपको स्वास्थ्य देखभाल संबंधी कोई प्रश्न पूछना हो तो कृपया शीघ्रता से अपने चिकित्सक या अन्य किसी योग्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता को फोन करें या उनसे मिलें। कोई भी नया उपचार, आहार या तंदुरुस्ती कार्यक्रम आरंभ करने से पहले हमेशा अपने चिकित्सक या अन्य किसी योग्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से परामर्श करें। आपको कभी-भी इस संदेश में पढ़ी गई किसी चीज़ के कारण चिकित्सीय सलाह की अवहेलना नहीं करनी चाहिए अथवा उसे प्राप्त करने में विलंब नहीं करना चाहिए।

इस प्रकाशन को कुल $87,00,000 मूल्य के वित्तीय सहायता अनुदान के रूप में सामुदायिक जीवन-यापन प्रशासन (एडमिनिस्ट्रेशन फ़ॉर कम्युनिटी लिविंग, ACL), अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवाएँ विभाग (यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ़ हेल्थ एंड ह्यूमन सर्विसेज़, HHS) की ओर से सहायता मिलती है जिसका 100 प्रतिशत वित्तपोषण ACL/HHS द्वारा किया जाता है। विषय-वस्तुएँ रचियता(ओं) द्वारा रचित हैं और आवश्यक नहीं कि वे ACL/HHS, या अमेरिकी सरकार के आधिकारिक विचारों को या उनके द्वारा विषय-वस्तुओं के समर्थन को दर्शाती हों।